<u>प्रेस विज्ञप्ति</u>

हिन्दुस्तान कॉलेज के विद्युत अभियंत्रण विभाग के छात्रों ने बनाया विद्युत चुम्बकीय पल्स रक्षात्मक बंदूक

शारदा ग्रुप के प्रतिष्ठित संस्थान हिन्दुस्तान कॉलेज ऑफ साइंस एण्ड टेक्नोलॉजी के इलैक्ट्रीकल एण्ड इलैक्ट्रोनिक्स विभाग के तृतीय वर्ष की छात्रायें अंजली किशोर, चारू सक्सैना, गरिमा शर्मा द्वारा एक ऐसे प्रोजेक्ट पर काम किया गया जो इलैक्ट्रोनिक उपकरणों को प्रभावित करता है।

परियोजना पर कार्यरत छात्र/छात्राओं ने बताया कि इस यांत्रिकी (यंत्र) का सिद्धांत चार्जिंग और डिसचार्जिंग कैपासिटर एवं पार्सियल डिसचार्ज है। हम जब इस यंत्र को 5 वोल्ट देते हैं तो इसमें विद्युत चुम्बकीय धारा प्रवाहित होने लगती है। यंत्र की एक सीमित परिधि होती है। यह यंत्र उसी परिधि के अंदर कार्य करता है जो विद्युत यंत्र को नष्ट कर देती है। यह बन्दूक मूलरूप से सुरक्षा करने एवं विद्युतीय यंत्र को नष्ट करने का काम करता है। इस यंत्र के प्रभाव से स्वयं के उपकरणों को सुरक्षित करने के हेतु फैराडे पिंजरे का उपयोग किया जाता है।

परियोजना के प्रतिपालक ने बताया कि अगर इसके विद्युत चुम्बकीय प्रभाव की परिधि को बढ़ा दिया जाये तो इसका उपयोग दूरस्थ बम आदि को निस्क्रिय करने में भी किया जा सकता है। इसकी मदद से स्टिंग ऑपरेशन उपकरणों से भी बचा जा सकता है।

इलैक्ट्रीकल एण्ड इलैक्ट्रोनिक्स विभाग की विभागाध्यक्षा ने बताया कि इस यंत्र का उपयोग सीमा की सुरक्षा में लगे सेनाओं द्वारा दुश्मनों के इलैक्ट्रोनिक हथियारों को निस्क्रीय करने का काम करेगा।